सभी अधिकारियों का रोस्टर तैयार, एक दिन पहले बताया जाएगा कहां है जाना

एक माह में 22 दिन केंद्रों का निरीक्षण

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति दुरुस्त करने के लिए समाज कल्याण विभाग ने इस बार एक खास पहल की है। इसके तहत अब महीने में 22 दिन सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण होगा। ये निरीक्षण विभाग के सभी स्तर के अधिकारी करेंगे। इसके लिए सभी अधिकारियों का रोस्टर तैयार कर उनके निरीक्षण का दिन तय कर दिया गया है। निरीक्षण की यह पहली बार किसी विभाग में इस स्तर पर की जा रही है।

समाज कल्याण विभाग के प्रधान सचिव संदीप पौंड्रीक के अनुसार, जांच करने वाले तमाम अधिकारियों को एक दिन पहले फोन करके स्थान बताया जाएगा। इससे जांच में किसी तरह की गड़बड़ी की आशंका नहीं होगी। इस जांच की रिपोर्ट पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों का चयन केन्द्रों से प्राप्त शिकायतों या अन्य किसी आधार पर किया जाएगा। इसके लिए कोई तय नियम नहीं है कि किस केन्द्र का कब निरीक्षण किया जाएगा।

तमाम प्रयासों के बाद भी आंगनबाड़ी केन्द्रों में गड़बड़ी पूरी तरह से बंद नहीं हो पा रही है। चार-पांच महीनों में ही 30 से अधिक सीडीपीओ निलंबित हो चुकी हैं। अब विभाग ने स्थिति को पूरी तरह से दुरुस्त करने के लिए इस तरह की पहल की है।

बड़े प्रखंडों को दो भाग में बांटकर होगी जांच : मंत्री

आंगनबाड़ी केन्द्रों की जांच पर किसी भी हालत में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन जिलों में प्रखंडों की संख्या 12 से अधिक है, उन्हें दो भागों में बांटकर दो बार जांच की जाएगी। ये बातें समाज कल्याण मंत्री परवीन अमानुल्लाह ने कही। वह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) की एक अहम बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि केन्द्रों की युद्ध स्तर

पहल

- आंगनबाड़ी केन्द्रों को दुरुस्त करने के लिए सरकार की कवायद
- पहली बार किसी विभाग में निरीक्षण के लिए इस तरह की पहल हो रही

(वार-फूट जांच) शुरू हुई जांच अभियान में किसी भी हालत में लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने सभी जिलों से आए डीपीओ को आदेश दिया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों की सेविका और सहायिकाओं को हर महीने समय से भुगतान कर दें। मंत्री ने केन्द्रों पर कार्य कुशलता बढ़ाने के लिए सेविकाओं को प्रशिक्षित करने की भी बात कही। ताकि वे बच्चों को ठीक से प्रारंभिक शिक्षा मुहैया करा सकें। इस दौरान अगस्त महीने में वार-फूट स्तर पर जांच की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई।

जानकारी के अभाव में टला सामाजिक अंकेक्षण : आंगनबाड़ी केन्द्रों की गतिविधि को सुचारू रूप से चलाने और जनता की ज्यादा से ज्यादा सहभागिता लाने के उदेश्य से सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) की शुरुआत हुई है। यह ऑडिट हर महीने को टीएचआर दिवस के मौके पर होना है। इसकी शुरुआत करने समाज कल्याण मंत्री परवीन अमानुल्लाह सोमवार को शहर के अनिशाबाद स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या 83 पर गईं। परंतु यहां जब ऑडिट शुरू हुआ, तो लोगों इस नए सिलसिले को समझ ही नहीं पा रहे थे। इसके अलावा केन्द्रों की कर्मचारियों को भी इसमें काफी दिक्कत आ रही थी। इस पर मंत्री ने पहले लोगों को इसके बारे में विस्तार से बताया और अधिकारियों को आदेश दिया कि वह केन्द्रों की सभी कर्मचारियों को इसकी विस्तार से जानकारी दें। उन्होंने कहा कि वह गुरुवार को इस केन्द्र का फिर से सोशल ऑडिट करने आएंगी।